हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

प्रधान संपादक : डॉ. राजेश शर्मा साप्ताहिक

प्रेरक : स्व. पंडित बालकृष्ण शर्मा

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 12 अंक 26 कांगड़ा। शनिवार, 29 अगस्त-04 सितंबर, 2026 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 13 भाद्रपद, विक्रमी संवत् 2083 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

"कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के लिए 3,349 करोड़ रुपए मंजूर, मार्च तक पूरा होगा भूमि अधिग्रहण"

राहुल कुमार

- कांगड़ा में प्रस्तावित एयरोसिटी परियोजना पर भी काम आगे बढ़ रहा है
- कांगड़ा एयरपोर्ट के रनवे विस्तार की लागत टीईएफआर के बाद होगी तय

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के गगल हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 3349 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। परियोजना के लिए करीब 157 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है, जिसमें 26 हेक्टेयर सरकारी और 131 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया मार्च 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। एयरपोर्ट विस्तार से कुल 942 परिवार प्रभावित हुए हैं।

विधानसभा में बीजेपी विधायकों विपिन सिंह परमार, सुधीर शर्मा, पवन काजल और कांग्रेस विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल का लिखित जवाब देते हुए सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि अब तक करीब 122 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। शेष नौ हेक्टेयर निजी और 26 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण जारी है। निजी भूमि अधिग्रहण के लिए 2579.22 करोड़ रुपये के अवॉर्ड घोषित किए गए हैं। इनमें से 2283.77 करोड़ रुपये का भू-मुआवजा प्रभावित लोगों को वितरित किया जा चुका है, जबकि 295.45 करोड़ रुपये का भुगतान बाकी है। पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के तहत 395.87 करोड़ रुपये के अवॉर्ड घोषित किए गए हैं। इनमें से 178.93 करोड़ रुपये लाभार्थियों को दिए जा चुके हैं, जबकि 216.94 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है। सरकार ने प्रभावित परिवारों को फैक्टर-2 या प्रोजेक्ट वन कंपनसेशन जैसी विशेष मुआवजा नीति देने से इन्कार किया है। प्रभावितों को मुआवजा भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित बाजार मूल्य के आधार पर दिया जा रहा है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि कांगड़ा में प्रस्तावित एयरोसिटी परियोजना पर भी काम आगे बढ़ रहा है। जुगेहर, भदोत, बांदी खास और बांदी खुर्द में करीब 65 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई है। इसके भूमि अधिग्रहण की अनुमानित लागत 122.32 करोड़ रुपये है, जो मौजूदा सर्किल रेट के आधार पर आंकी गई है। कांगड़ा हवाई अड्डे के रनवे विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य जारी है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मास्टर प्लान के अनुरूप एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है। रनवे विस्तार की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट वैपकॉस लिमिटेड तैयार कर रही है। रिपोर्ट अंतिम रूप लेने के बाद ही रनवे विस्तार की संभावित लागत तय होगी। कांगड़ा एयरपोर्ट पर वर्तमान में गर्मियों के शेड्यूल के अनुसार प्रतिदिन आठ उड़ानों का आगमन-प्रस्थान होता है। वहीं, सर्दियों के शेड्यूल में प्रतिदिन पांच उड़ानें संचालित होती हैं। एयरपोर्ट विस्तार और प्रस्तावित एयरोसिटी से कांगड़ा में हवाई संपर्क के साथ-साथ पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।